Regarding request for supply of water to Jalor Sirohi District from Kadana Dam-laid

श्री लुम्बा राम **(**जालौर**) :** जालोर सिरोही जिला में कम वर्षा के होने से भू-जल स्तर बहुत नीचे चला गया है जिससे पूरा जिला डार्क जोन घोषित किया जा चुका है । माही नदी का पानी जालोर सिरोही जिले को सुलभ कराने की योजना सालो से कागजों में दफन है । ऐसे में किसानो की उम्मीदें भी टूटने लगी है । वर्ष 1966 में राजस्थान व गुजरात सरकार में हुए समझौते के अनरूप माही परियोजना की कयावाद शुरू हुई । खोसला कमेटी की रिपोर्ट 01.09.1965 के अनुसार गुजरात राजस्थान बोर्डर पर कडाणा बांध बनाना प्रस्तावित किया गया था । तत्पश्चात 01.10.1966 को राजस्थान एवं गुजरात राज्य के बीच माही जल बंटवारा समझौता में कडाणा बांध का निर्माण हुआ । समझौता के अनुसार कडाणा बांध के माही जल से गुजरात के खेडा जिले का सिंचित होने वालो क्षेत्र जब नर्मदा जल से सिंचित होने लगेगा तब कडाणा बांध के पानी का 2/3 भाग राजस्थान का तथा 1/3 भाग गुजरात का होगा । खेडा जिला मे पूरी तरह से नर्मदा का पानी उपयोग हो रहा है । वर्तमान समय में कडाणा बांध का पानी बह कर समुद्र मे बर्बाद हो रहा है । अतः कडाणा बांध से हाई लेवल नहर के माध्यम से जालोर सिरोही के गाँवो को माही का पानी उपलब्ध कराया जाए ।